Mrs. Madhuri Rajeev Kshirsagar
Assit. prof. Hindi Department
ISBN Publication.
Book ch.

हिंदी पत्रकारिता

© डॉ. पोपट भावराव बिरारी

प्रकाशक

एच.एस.आर.ए पब्लिकेशंन्स

नंबर 2, श्री अन्नपूर्णेश्वरी निलय, पहला मेन रोड,

बसवेश्वरनगर, लगगेरे,

बेंगलुरू-560058

बिक्री मुख्यालय- बेंगलुरू

ISBN: 978-93-5506-296-3

प्रथम संस्करण 2022

मूल्य : ₹ 390/-

लेखक की सहमति से पुस्तक के प्रकाशन के समय इस बात का भरसक प्रयास किया गया है कि प्रकाशित सामग्री पूरी तरह से त्रुटि-रहित हो। समीक्षा लेख एवं रिव्यू आर्टिकल में प्रयुक्त वाक्यांशों के अतिरिक्त लेखक की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक का कोई अंश किसी माध्यम में प्रयोग करना या पुनुरुत्पादित करना प्रतिबंधित है। लेखक की लिखित अनुमति के बिना डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक किसी भी माध्यम में इस पुस्तक या उसके किसी अंश का भंडारण, रिकॉर्डिंग या फोटो कॉपी करना प्रतिबंधित है।

प्राक्कथन

आज के वैज्ञानिक युग में पत्रकारिता का विशेष महत्त्व है। पत्रकारिता समाज जीवन से संबंधित समसामयिक घटनाओं को शीघ्रता के साथ दुनिया के कोने-कोने में पहुँचाने में सक्षम हैं। आज दुनिया में ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है; जो पत्रकारिता की परिधि में न आता हो। समय के अनुसार पत्रकारिता का विकास होता गया है; वैसे ही उसके आयामों की परिधि भी विस्तृत होती गई है। अतएव पत्रकारिता के द्वारा जनता के सामने लोक कल्याण के कार्यों का विवरण प्रस्तुत हो रहा हैं। वर्तमान समय में पत्रकारिता समाज जागृति में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। अतः पत्रकारिता के व्यावसायिक महत्त्व को देखते हुए विभिन्न विश्वविद्यालयों के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रमों में पत्रकारिता विषय को पढ़ाया जा रहा हैं, ताकि छात्रों में पत्रकारिता लेखन का कौशल विकसित हो सके। अतः उस दृष्टि से 'हिंदी पत्रकारिता' यह ग्रंथ उपयोगी सिद्ध होगा।

मनुष्य जिज्ञासु प्राणी होने के कारण वह अपने आसपास की घटनाओं को जानने का इच्छुक होता है। वर्तमान समय में यह जानने की इच्छा अधिक प्रबल होती गई है। पहले समाचारों को अख़बारों के माध्यम से जनता तक पहुँचने में चौबीस घंटे का समय लगता था; लेकिन आज तकनीकी विकास के कारण रेडियो, टेलीविज़न एवं इंटरनेट के द्वारा कुछ ही क्षणों में समाचार श्रोता तक आसानी से पहुँच रहा है। वर्तमान में दृक-श्राव्य माध्यम से पत्रकारिता को गति मिली है। समसामयिक घटनाएँ, साहित्यिक परिचर्चाएँ, देश-विदेश की गतिविधियाँ, युद्ध स्थिति, खेलकूद आदि कई प्रकार के समाचार आज हम देख और सुन भी रहे हैं। पत्रकारिता का उद्देश्य संसार की घटनाओं को एकत्रित करके उनका विवेचन करना, उनका विवरण इकट्ठा करना तथा उन्हें पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से जनता तक पहुँचाना हैं। पत्रकारिता समाज की कमियों एवं कुरीतियों को उजागर करके उन्हें दूर करने का प्रयास करती हैं।

अतः पत्रकारिता का लक्ष्य समाज में नैतिक मूल्यों की प्रतिष्ठा कर सुखी जीवन की कामना करना है। पत्रकारिता जनसेवा का सशक्त माध्यम है और तमाम तकनीकी विधाओं के फलस्वरूप संचार माध्यमों ने पत्रकारिता को नई दिशा प्रदान की है; जिसके कारण चुनौतीपूर्ण कार्य सहज हो पाया है। वस्तुतः पत्रकारिता का

15. **पत्रकारिता : रिपोर्टर** 85
- *आशा राठौर*

16. **पत्रकारिता : रिपोर्टिंग** 92
- *प्रा. माधुरी राजीव क्षीरसागर*

17. **समाचार लेखन** 98
- *डॉ. रेवा प्रसाद*

18. **समाचार के प्रकार** 104
- *डॉ. प्रवीण बाला*

19. **समाचार : संपादन कला** 111
- *डॉ. मारोती यमुलवांड*

20. **समाचार समितियाँ** 118
- *डॉ. मोहनिका गजभिये*

21. **ई-पत्रकारिता** 124
- *प्रा. पांडुरंग एन. कामत*

22. **विज्ञापन पत्रकारिता** 129
- *डॉ. वै.उमा*

23. **टेलीविजन पत्रकारिता** 136
- *डॉ. श्रद्धा तिवारी*

24. **रेडियो पत्रकारिता** 142
- *डॉ. बिक्रम कुमार साव*

25. **वेब पत्रकारिता** 149
- *जिष्णा राघव*

26. **पत्रकारिता और साक्षात्कार** 156
- *डॉ. तेजिंदर कौर*

27. **पत्रकारिता : फीचर लेखन** 162
- *रोहिणी रामचंद्र सालवे*

28. **पत्रकारिता और अनुवाद** 167
- *विजय एम. राठोड*

29. **हिंदी की प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ** 172
- *डॉ. ममता नानकचंद पंजाबी*

30. **हिंदी के प्रमुख पत्रकार** 178
- *डॉ. लूनेश कुमार वर्मा*

31. **हिंदी पत्रकारिता : समाज सुधार आंदोलन** 185
- *जयवीर सिंह*

32. **राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी पत्रकारिता** 190
- *निलेश एस. पाटील*

33. **पत्रकारिता और सरकारी संचार माध्यम** 196
- *डॉ. फतेह सिंह*

34. **पत्रकारिता की नैतिकता पर सवाल** 202
- *डॉ. देविदास भिमराव जाधव*

35. **पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएँ** 208
- *डॉ. ललित चंद्र जोशी*

16. पत्रकारिता : रिपोर्टिंग

- प्रा. माधुरी राजीव क्षीरसागर

समाज एवं राष्ट्र की उन्नति के लिए पत्रकारिता-रिपोर्टिंग का एक विशेष स्थान है। यह क्षेत्र बहुत विस्तृत है। लोकहितों की रक्षा हेतु पत्रकारिता-रिपोर्टिंग होती हैं। एक अच्छे रिपोर्टर के लिए उसमें पत्रकार के विशेष गुण होने चाहिए तथा वह आचार संहिता का पालन करने वाला हो। पत्रकारिता-रिपोर्टिंग में रिपोर्टर को दोनों पक्षों की तरफ निष्पक्ष होकर देखना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। किसी भी घटना में होनेवाली गतिविधियों को एक तरफा प्रस्तुत करने से सामाजिक एवं राष्ट्रीय शांति पर प्रश्न उठ सकता है। इसलिए दोनों पक्षों को ध्यान में रखते हुए अपनी रिपोर्ट को प्रस्तुत करना चाहिए।

रिपोर्टिंग का स्वरुप :-

रिपोर्टिंग का शाब्दिक अर्थ हैं- संवाद लिखना या भेजना, सूचना देना, बतलाना या कहना, विवरण देना। पत्रकारिता-रिपोर्टिंग के माध्यम से हम समाचार पत्र, रेडियो, टेलीविजन जैसे अनेक साधनों द्वारा देश-विदेश की अच्छे-बुरे सभी समाचारों से अवगत होते हैं। यह रिपोर्टर की जिम्मेदारी है की वह तथ्य को लोगों तक पहुँचाए। समाज एवं राष्ट्र के विविध क्षेत्र में फैली बेईमानी, कालाबाजारी, भ्रष्टाचार की सूचनाएँ हर तरफ पहुँचकर राष्ट्र के चरित्र एवं व्यवहार को रेखांकित करता है तो दूसरी ओर सामाजिक जीवन के प्रगतिशील तत्वों के निर्माण और व्यवहार द्वारा समाज में फैला हुआ अंधविश्वास, रूढ़ि-परंपराओं के प्रति संघर्ष छेड़ता है। इसके साथ अपनी सजगता से समाज में नई चेतना का प्रचार-प्रसार भी करता है। जैसे कहा जाता है रिपोर्ट के लिए रिपोर्टिंग की जाती है।

रिपोर्टिंग के लिए रिपोर्टर जरूरी तथ्यों को जुटाता है; जो मुख्यतः घटना और दुर्घटना दो तरह के विषयों पर आधारित होती हैं। घटना जो पहले से ही दिन, समय, स्थान के साथ योजनाबद्ध तरीके से तय होती है। जैसे कोई शुभारंभ का कार्यक्रम हो, किसी मंत्री महोदय की विदेश यात्रा हो, किसी अदालत की सुनवाई हो या

किसी महान व्यक्ति के जयंती-पुण्यतिथि हो। लेकिन कोई भी दुर्घटना कोई निश्चित समय, स्थान के साथ नहीं होती जैसे कोई नैसर्गिक आपदाएँ हो, कोई हवाई जहाज ट्रेन की दुर्घटना हो, भूकंप हो या मौसम की मार हो लेकिन इन सभी समाचारों के लोगों तक सही अवलोकन से तथ्य को सामान्य लोगों तक पहुँचाने का कार्य बिना किसी जल्दबाजी के, बिना किसी दबाव के एवं बिना भ्रष्टाचार से होना उतनाही जरूरी होता है। रिपोर्टिंग करनेवाले रिपोर्टर को निपक्षता एवं जागरूकता से रिपोर्ट बनाना आवश्यक होता है। अपने वरिष्ठ लोगों से हमेशा चर्चा करना तथा अपनी बात को स्पष्टता से प्रस्तुत करना महत्वपूर्ण होता है।

रिपोर्टिंग की प्रक्रिया :-

प्रक्रिया को अंग्रेजी में प्रोसेस कहते है। प्रक्रिया का अर्थ है कार्यविधि। रिपोर्टिंग की प्रक्रिया में रिपोर्टिंग के विषय की मंजूरी मिलने के बाद यह जरूरी होता है की रिपोर्टर यह सोच विचार करे कि वह किस तरह इस घटना का रिपोर्ट कर सकता है। उसी तरह उसे इन तथ्यों पर विचार करना होता है कि उसे रिपोर्ट में कौनसी बातों को शामिल करना है और कौनसी बातों को छोड़ देना है। यह सीखने की प्रक्रिया एक रिपोर्टर को अपने कार्य के अनुभवों से अपने विचारपूर्वक काम करने से अवगत होती हैं। समाचार पत्रों में समाचार छपने के लिए क्या जरूरी हैं? उसी तरह घटना के कौनसे बिंदुओं को कितना महत्त्व देना है इसका अंदाज़ उसे होना जरूरी है। साथ में उस रिपोर्ट का असर लोगों पर कैसा रहेगा और लोगों की उस पर क्या प्रतिक्रियाएँ होगी यह भी देखना जरूरी होता है। उसी तरह टी.वी. रिपोर्टर को शॉट की शूटिंग करने से पहले उसकी सब तैयारी करनी आवश्यक होती है। जैसे- कैमरा का बैलेंस सही करना, उसकी ऊंचाई को सही रखना, ऑडियो का स्तर बराबर रखना, मौसम के अनुसार जरूरी सामान साथ मे लेना, कैमरे की तकनीकी आवश्यकताएँ जानकार और उस विषय में अभ्यास किए लोगों को ही चुनना आवश्यक है। घटना स्थल पर जागरूकता से हर तरफ ध्यान देते हुए लोगों की बातें सुनना, प्रश्न पूछना और सही उत्तर को पाना, तकनीकी व्यवस्था के साथ ही घटना स्थल पर लोगों में कोई संदेह न रहे इसका भी ख़याल रखना आवश्यक है।

रेडियो रेपोर्टिंग में ध्वनि का महत्त्व ज्यादा है। इसलिए साउंड सिस्टम पर अधिक ध्यान देना चाहिए तथा तथ्य पर ही अपना लक्ष्य केंद्रित करना जरूरी होता है। हर घटना को क्रमबद्ध रुप में प्रस्तुत करना चाहिए। घटना के अनुसार अपने आवाज